

BusinessLine (Delhi)

Farm equipment maker KisanKraft plans to scale up exports to 50 nations over 5 years

Agriculture · Industries · Business

27 Aug 2025 [+5 more](#) Our Bureaus

Bengaluru/Mangaluru

KisanKraft Ltd, the Bengaluru-based farm equipment maker, plans to step up exports to around 50 countries over the next five years. The company currently exports farm equipment, such as inter-cultivators and brush cutters, to about 10 countries, including Sri Lanka, Nepal, Bangladesh, the Philippines, Ivory Coast and Ghana.

KisanKraft, which completed 20

years of operations, plans to shortly launch the indigenously developed battery-powered weeders to promote sustainable mechanisation.

A media statement by the company said it plans to deliver end-to-end mechanisation solutions for the top 20

Major crops, such as rice, wheat and maize, among others.

Ravindra Agrawal, Founder & Chairman of KisanKraft, said: "As we look ahead, our vision is to position India

as a global hub for small farm machinery by producing world-class equipment and delivering end-to-end mechanisation solutions for the country's top 20 crops, including rice, wheat and maize, enhancing efficiency at every stage of farming, in India and across the globe".

AFRICAN FORAY

KisanKraft recently forayed into the African market. Agrawal said the company's equipment range had received good response both in domestic and overseas markets.



Ravindra Agrawal, Founder & Chairman of KisanKraft

The company operates a farm equipment manufacturing facility at Nellore in Andhra Pradesh.

KisanKraft offers a range of nearly 300 products that span the entire crop cycle from land preparation and sowing to crop management, harvesting and post harvest operations.

The company has also diversified into the seeds business and launched several hybrids of tomato and okra,

among others.

NEW PADDY VARIETY

Over the past few years, KisanKraft has also developed 15 new varieties of paddy that are suited for the DSR (direct seeded rice) method of cultivation, which uses less water for growing the cereal crop.

"Our mechanic training programmes have fostered rural entrepreneurship and built localised service networks, while our affordable machines have significantly boosted farmer profitability. In addition, we have strengthened the rental ecosystem, where equipment owners lease machines to fellow farmers, improving asset utilisation and increasing rural incomes," he said.

हिन्दी दैनिक

अवधानामा

www.avadhnama.com

किसानक्राफ्ट के 20 वर्ष - कृषि नवाचार को विश्व पटल तक पहुँचाया

लखनऊ। कृषि मशीनरी, उपकरण एवं बीज क्षेत्र की अग्रणी एग्रीटेक कंपनी किसानक्राफ्ट लिमिटेड 26 अगस्त, 2025 को अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रही है। 2005 में छोटे एवं सीमांत किसानों को किफायती समाधान उपलब्ध कराने के मिशन के साथ स्थापित इस कंपनी ने न केवल भारत की कृषि पट्टी में अपनी साख बनाई है, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर भी कृषि उपकरण निर्यात में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रही है।

2005 में रविंद्र अग्रवाल द्वारा बंगलुरु के एक छोटे गैरिज से शुरू हुई किसानक्राफ्ट ने छोटे किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और किफायती बनाने के लक्ष्य से कार्य शुरू किया था। दो दशकों में यह कंपनी भारत के छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है, जिस पर देशभर के 50 लाख से अधिक किसान भरोसा करते हैं। आज किसानक्राफ्ट खेती के पूरे चक्र-भूमि की तैयारी और बुवाई से लेकर फसल प्रबंधन, कटाई और



फसलोपरांत कार्यों तक-के लिए 300 से अधिक मॉडल प्रस्तुत करती है। पिछले वर्षों में किसानक्राफ्ट ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती मशीनीकरण को बढ़ावा देकर श्रम की कमी और उत्पादकता की चुनौतियों का समाधान किया है। कंपनी ने BIS: ISI प्रमाणित उत्पादों और पेटेंट नवाचारों के साथ गुणवत्ता के नए मानक स्थापित किए हैं तथा 5,000+ डीलरों और 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के व्यापक नेटवर्क द्वारा अंतिम छोर तक पहुंच बनाई है। आंध्र प्रदेश के नेल्लेर स्थित निर्माण संयंत्र ने मेक-इन-इंडिया दृष्टि को मजबूत किया है। साथ ही, कंपनी ने सस्टेनेबल ड्राई डायरेक्ट सीडिंग राइस

(SDSR) तकनीक, स्टबल शेवर और इलेक्ट्रिक उपकरण जैसी टिकाऊ नवाचारों पर भी जोर दिया है। हमने एक ही लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी उन किसानों तक किफायती और कुशल उपकरण पहुँचाना जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, किसानक्राफ्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री रविंद्र अग्रवाल ने कहा। आगे हमारा दृष्टिकोण भारत को छोटे कृषि उपकरणों के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है, ताकि हम विश्वस्तरीय उपकरणों का निर्माण कर सकें और भारत एवं विश्व भर के शीर्ष 20 फसलों के लिए एंड-टू-एंड मशीनीकरण समाधान प्रदान कर सकें।



दैनिक भास्कर

किसानक्राफ्ट के 20 वर्ष : कृषि नवाचार को विश्व पटल तक पहुँचाया

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। कृषि मशीनरी, उपकरण एवं बीज क्षेत्र की अग्रणी एग्रीटेक कंपनी किसानक्राफ्ट लिमिटेड 26 अगस्त, 2025 को अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रही है। 2005 में छोटे एवं सीमांत किसानों को किफायती समाधान उपलब्ध कराने के मिशन के साथ स्थापित इस कंपनी ने न केवल भारत की कृषि पट्टी में अपनी साख बनाई है, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर भी कृषि उपकरण निर्यात में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रही है। 2005 में श्री रविंद्र अग्रवाल द्वारा बेंगलुरु के एक छोटे मैरेज से शुरू हुई किसानक्राफ्ट ने छोटे किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और किफायती बनाने के लक्ष्य से कार्य शुरू किया था। दो दशकों में यह कंपनी भारत के छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है, जिस पर देशभर के 50 लाख से अधिक किसान भरोसा करते हैं। आज किसानक्राफ्ट खेती के पूरे चक्र—भूमि की तैयारी और बुवाई से लेकर फसल प्रबंधन, कटाई और फसलोपरांत कार्यों तक—के लिए 300 से अधिक मॉडल प्रस्तुत करती है। पिछले वर्षों में किसानक्राफ्ट ने छोटे



और सीमांत किसानों के लिए किफायती मशीनीकरण को बढ़ावा देकर श्रम की कमी और उत्पादकता की चुनौतियों का समाधान किया है। कंपनी ने BIS: ISI प्रमाणित उत्पादों और पेटेंट नवाचारों के साथ गुणवत्ता के नए मानक स्थापित किए हैं तथा 5,000+ डीलरों और 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के व्यापक नेटवर्क द्वारा अंतिम छोर तक पहुंच बनाई है। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित निर्माण संयंत्र ने मेक-इन-इंडिया दृष्टि को मजबूत किया है। साथ ही, कंपनी ने सस्टेनेबल ड्राई डायरेक्ट सीडेड राइस (SDSR) तकनीक, स्टबल शेवर और इलेक्ट्रिक उपकरण जैसी टिकाऊ नवाचारों पर भी जोर दिया है। "हमने एक ही लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी - उन किसानों तक किफायती और कुशल उपकरण पहुँचाना जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है," किसानक्राफ्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री रविंद्र अग्रवाल ने कहा।



Since 1936

दैनिक नवज्योति

www.dainiknavajyoti.com

किसानक्राफ्ट ने कृषि नवाचार को विश्व पटल तक पहुंचाया

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। कृषि मशीनरी, उपकरण एवं बीज क्षेत्र की अग्रणी एग्रीटेक कंपनी किसानक्राफ्ट लिमिटेड अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रही है। 2005 में छोटे एवं सीमांत किसानों को किफायती समाधान उपलब्ध कराने के मिशन के साथ स्थापित इस कंपनी ने न केवल भारत की कृषि पट्टी में अपनी साख बनाई है, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर भी कृषि उपकरण निर्यात में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रही है।

2005 में रविंद्र अग्रवाल द्वारा बेंगलुरु के एक छोटे गैरेज से शुरू हुई किसानक्राफ्ट ने छोटे किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और किफायती बनाने के लक्ष्य से कार्य शुरू किया था।

दो दशकों में यह कंपनी भारत के छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है, जिस पर देशभर के 50 लाख से अधिक किसान भरोसा करते हैं। आज किसानक्राफ्ट खेती के पूरे चक्र-भूमि की तैयारी और बुवाई से लेकर फसल प्रबंधन, कटाई और फसलोपरांत कार्यों तक, के लिए 300 से अधिक मॉडल प्रस्तुत करती है। पिछले वर्षों में किसानक्राफ्ट ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती मशीनीकरण को बढ़ावा देकर श्रम की कमी और उत्पादकता की चुनौतियों का समाधान किया है। कंपनी ने प्रमाणित उत्पादों और पेटेंट नवाचारों के साथ गुणवत्ता के नए मानक स्थापित किए हैं।

தின குரல்



கிசான்கிராஃப்ட் 20 ஆண்டுகள் : உலக அரங்கில் வேளாண் புதுமையை கொண்டு சென்ற சாதனை

சென்னை, ஆக. 27: வேளாண் இயந்திரங்கள், உபகரணங்கள் மற்றும் விதைகள் துறையில் முன்னணி அகிரிடெக் நிறுவனம் கிசான்கிராஃப்ட் லீமிடெட், ஆகஸ்ட் 26, 2025 அன்று தனது 20வது ஆண்டு விழாவை கொண்டாடுகிறது. 2005ஆம் ஆண்டு சிறு மற்றும் குறைந்த நிலப்பரப்பு கொண்ட விவசாயிகளுக்கு மலிவான தீர்வுகளை வழங்கும் பணி நோக்கத்துடன் தொடங்கிய இந்த நிறுவனம், இந்திய வேளாண் வளாகத்தில் தனது பெயரை நிலைநாட்டியது மட்டுமல்லாது, உலகளாவிய அளவிலும் வேளாண் உபகரண ஏற்றுமதியில் வலுவான நிறுவனமாக உருவெடுத்துள்ளது.

2005இல் திரு. ரவீந்திர அகர்வால் அவர்கள் பெங்களூருவில் உள்ள சிறிய கேரேஜில் தொடங்கிய கிசான்கிராஃப்ட், சிறு விவசாயிகளுக்கான இயந்திரமயமாக்கலை எளிதும் மலிவாகவும் மாற்றும் நோக்கில் தனது பயணத்தைத் தொடங்கியது. இருபது ஆண்டுகளில், இந்நிறுவனம் இந்தியாவின் சிறிய வேளாண் உபகரணத் துறையில் மிகப்பெரிய நிறுவனமாக வளர்ந்து, நாடு முழுவதும் 50 லட்சம் விவசாயிகள் நம்பிக்கை



வைக்கும் நிறுவனமாக மாறியுள்ளது. இன்று கிசான்கிராஃப்ட் விவசாயச் சுழற்சியின் முழுமையுக்கும் — நிலத் தயாரிப்பு மற்றும் விதைத்தல் முதல் பயிர் மேலாண்மை, அறுவடை மற்றும் அறுவடைக்குப் பிறகான பணிகள் வரை — 300க்கும் மேற்பட்ட மாடல்களை வழங்குகிறது.

“நாங்கள் ஒரே நோக்குடன் தொடங்கினோம் — அதிகம் தேவைப்படுகிற விவசாயிகளுக்கு மலிவான மற்றும் திறமையான உபகரணங்களை கொண்டு சேர்ப்பது,” என கிசான்கிராஃப்ட் நிறுவனம் மற்றும் தலைவர் திரு. ரவீந்திர அகர்வால் கூறினார். “எதிர்காலத்தில் எங்கள் பார்வை, இந்தியாவை சிறிய வேளாண் உபகரணங்களுக்கான உலக மையமாக மாற்றுவதாகும்; இதன்

மூலம், உலகத் தரமான உபகரணங்களை உற்பத்தி செய்து, இந்தியாவிலும் உலகளாவிய அளவிலும் முன்னணி 20 பயிர்களுக்கு தொடக்கம் முதல் முடிவு வரை இயந்திரமயமாக்கல் தீர்வுகளை வழங்குவதே எங்கள் நோக்கம்.”

कृषि जवाचार को विश्व पटल तक पहुंचाया

लखनऊ (डीएनएन)। कृषि मशीनरी, उपकरण एवं बीज क्षेत्र की अग्रणी एग्रीटेक कंपनी किसानक्राफ्ट लि. 26 अगस्त को अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रही है। 2005 में छोटे एवं सीमांत किसानों को किफायती समाधान उपलब्ध कराने के मिशन के साथ स्थापित इस कंपनी ने न केवल भारत की कृषि पट्टी में अपनी साख बनाई है, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर भी कृषि उपकरण निर्यात में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रही है। 2005 में रविंद्र अग्रवाल द्वारा बेंगलुरु के एक छोटे गैरेज से शुरू हुई किसानक्राफ्ट ने छोटे किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और किफायती बनाने के लक्ष्य से कार्य शुरू किया था। दो दशकों में यह कंपनी भारत के छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है, जिस पर देशभर के 50 लाख से अधिक किसान भरोसा करते हैं। आज किसानक्राफ्ट खेती के पूरे चक्र, भूमि की तैयारी और बुवाई से लेकर फसल प्रबंधन, कटाई और फसलोपरांत कार्यों तक के लिए 300 से अधिक मॉडल प्रस्तुत करती है।

आज

20 वर्ष में कृषि नवाचार को किसान क्राफ्ट ने विश्व पटल तक पहुंचाया

बरेली (आज समाचार सेवा)। कृषि मशीनरी, उपकरण एवं बीज क्षेत्र की अग्रणी एग्रीटेक कंपनी किसानक्राफ्ट लिमिटेड 26 अगस्त, 2025 को अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रही है। 2005 में छोटे एवं सीमांत किसानों को किफायती समाधान उपलब्ध कराने के मिशन के साथ स्थापित इस कंपनी ने न केवल भारत की कृषि पट्टी में अपनी साख बनाई है, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर भी कृषि उपकरण निर्यात में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रही है। 2005 में श्री रविंद्र अग्रवाल द्वारा बेंगलूरु के एक छोटे गैरज से शुरू हुई किसानक्राफ्ट ने छोटे किसानों के लिए मशीनीकरण को सुलभ और किफायती बनाने के लक्ष्य से कार्य शुरू किया था। दो दशकों में यह कंपनी भारत के छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है, जिस पर देशभर के 50 लाख से अधिक किसान भरोसा करते हैं। आज किसानक्राफ्ट खेती के पूरे चक्र-भूमि की तैयारी और बुवाई

से लेकर फसल प्रबंधन, कटाई और फसलोंपरांत कार्यों तक-के लिए 300 से अधिक मॉडल प्रस्तुत करती है। पिछले वर्षों में किसानक्राफ्ट ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती मशीनीकरण को बढ़ावा देकर श्रम की कमी और उत्पादकता की चुनौतियों का समाधान किया है। कंपनी ने BIS: ISI प्रमाणित उत्पादों और पेटेंट नवाचारों के साथ गुणवत्ता के नए मानक स्थापित किए हैं तथा 5,000+ डीलरों और 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के व्यापक नेटवर्क द्वारा अंतिम छोर तक पहुंच बनाई है। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित निर्माण संयंत्र ने मेक-इन-इंडिया दृष्टि को मजबूत किया है। साथ ही, कंपनी ने सस्टेनेबल ड्राई खयरेक्ट सोल्यूशंस तकनीक, स्टबल शेवर और इलेक्ट्रिक उपकरण जैसी टिकाऊ नवाचारों पर भी जोर दिया है। हमने एक ही लक्ष्य के साथ शुरूआत की थी। उन किसानों तक किफायती और कुशल उपकरण पहुंचाना जिन्हें इसकी सबसे अधिक

आवश्यकता है किसानक्राफ्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री रविंद्र अग्रवाल ने कहा। आगे हमारा दृष्टिकोण भारत को छोटे कृषि उपकरणों के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है, ताकि हम विश्वस्तरीय उपकरणों का निर्माण कर सकें और भारत एवं विश्व भर के शीर्ष 20 फसलों के लिए एंड-टू-एंड मशीनीकरण समाधान प्रदान कर सकें। किसानक्राफ्ट का ग्रामीण भारत पर प्रभाव कृषि उत्पादकता से कहीं आगे जाकर ग्रामीण समाज की सामाजिक-आर्थिक संरचना तक फैला हुआ है। छोटे और सीमांत किसानों को आधुनिक उपकरणों का मालिकाना, संचालन और व्यावसायिक उपयोग का अवसर देकर कंपनी ने आय सृजन के नए मार्ग खोले हैं। कंपनी के मैकेनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा दिया है और स्थानीय सेवा नेटवर्क तैयार किए हैं। इसके साथ ही, किसानक्राफ्ट के किफायती उपकरण, जिनकी

लागत अक्सर एक ही सीजन में निकल आती है, ने किसानों की लाभप्रदता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके अलावा, उपकरण किराये



पर देने की प्रणाली (रेंटल इकोसिस्टम) ने भी ग्रामीण आय और संसाधनों के कुशल उपयोग में इजाजा किया है। कंपनी का लक्ष्य 50 से अधिक देशों में निर्यात का विस्तार करना और छोटे कृषि उपकरण क्षेत्र में एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित होना है। भारत की शीर्ष 20 फसलों-जैसे धान, गेहूं और मक्का-के लिए एंड-टू-एंड मशीनीकरण समाधान उपलब्ध

कराना और बीज प्रभाग को और सशक्त बनाना भी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। निकट भविष्य में कंपनी स्वदेशी बैटरी-चालित वीडर लॉन्च करने जा रही है, जिससे टिकाऊ मशीनीकरण को और बढ़ावा मिलेगा। आगे की प्राथमिकताओं में-अनुकूलित ग्रामीण बाजारों में वितरण नेटवर्क का विस्तार, मैकेनिकों, ऑपरेटरों और किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और मजबूत करना, स्थानीय फसलों, मिट्टी और कृषि पद्धतियों के अनुरूप क्षेत्र-विशिष्ट उपकरण लॉन्च करना शामिल है। साथ ही, कंपनी डिजिटल उपकरणों को अपनाकर किसान सहभागिता बढ़ा रही है, जिससे मोबाइल-आधारित परामर्श, सेवा शेड्यूलिंग और स्पेयर पार्ट्स की सहज उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

కిసాన్ క్రాఫ్ట్ 20 సంవత్సరాలు:

వ్యవసాయ ఆవిష్కరణను ప్రపంచ పటంలోకి తీసుకెళ్ళింది

■ అగ్రగామి అగ్రిటెక్ కంపెనీ కిసాన్ క్రాఫ్ట్ లిమిటెడ్ 50 లక్షల మంది రైతులను శక్తివంతం చేసింది



బైరతాబాద్ ఆగస్టు 26 (నవభూమి ప్రతనిధి)- %కిసాన్ క్రాఫ్ట్ 20 సంవత్సరాలు: వ్యవసాయ ఆవిష్కరణను ప్రపంచ పటంలోకి తీసుకెళ్ళింది అగ్రగామి అగ్రిటెక్ కంపెనీ కిసాన్ క్రాఫ్ట్ లిమిటెడ్ 50 లక్షల మంది రైతులను శక్తివంతం చేసింది. 2005లో చిన్న రైతులకు వ్యవసాయ యంత్రాలను అందుబాటులోకి తీసుకురావడం లక్ష్యంగా ప్రారంభమైన కిసాన్ క్రాఫ్ట్, ఈరోజు భారతదేశంలోని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల విభాగంలోనే అతిపెద్ద కంపెనీగా ఎదిగింది, ఇది సాగు యొక్క ప్రతి దశకు 300 కంటే ఎక్కువ మోడల్లను అందిస్తోంది. కంపెనీ గ్రామీణాభివృద్ధికి విశేషమైన సహకారం అందించింది మరియు దేశవ్యాప్తంగా 50 లక్షల మైగా రైతుల జీవన ప్రమాణాలను మెరుగుపరిచింది. 2017లో విత్తనాల పరిశోధన %౫౫ అభివృద్ధి (సీడ్స్ ఆర్ %౫౫) విభాగాన్ని స్థాపించడం ద్వారా వాతావరణ నిరోధక డాక్యుమెంటు కురగాయ విత్తనాలను అభివృద్ధి చేయడంలో తమ వ్యూహాత్మక కట్టుబాటును బలోపేతం చేసింది. ప్రస్తుతం కిసాన్ క్రాఫ్ట్ 20,000 డేశాలకు ఎగుమతులను విస్తరించడమే కాకుండా భారతదేశాన్ని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల గ్లోబల్ తయారీ కేంద్రంగా స్థాపించేందుకు కృషి చేస్తోంది. వ్యవసాయ యంత్రాలు, పరికరాలు మరియు విత్తనాల రంగంలో అగ్రగామి అగ్రిటెక్ సంస్థ కిసాన్ క్రాఫ్ట్ లిమిటెడ్, ఆగస్టు 26, 2025న తన 20వ వార్షికోత్సవాన్ని జరుపుకోబోతోంది. 2005లో చిన్న మరియు సరిహద్దు రైతులకు చవకైన పరిష్కారాలను అందించాలనే లక్ష్యం తో స్థాపించబడిన ఈ సంస్థ, భారత వ్యవసాయ రంగంలో మాత్రమే కాకుండా ప్రపంచవ్యాప్తంగా కూడా వ్యవసాయ పరికరాల ఎగుమతులలో బలమైన అభిమాదిగా ఎదిగింది. 2005లో శ్రీ రవీంద్ర అగర్వాలే బెంగళూరులోని ఒక చిన్న గ్యారేజ్ లో ప్రారంభించిన కిసాన్ క్రాఫ్ట్, చిన్న రైతులకు యంత్రాలను అందుబాటులోకి తీసుకురావడం మరియు చవకగా అందించడం లక్ష్యం గా ముందుకు వచ్చింది. రెండవ దశాబ్దంలో ఇది భారతదేశంలోని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల రంగంలోనే అతిపెద్ద కంపెనీగా మారింది, దేశవ్యాప్తంగా 50 లక్షల మంది దిక్కు రైతులు దీనిపై సమ్మతం ఉంచారు. ఈరోజు కిసాన్ క్రాఫ్ట్ భూమి నిర్ణయ, విత్తనం చేయడం, పంట నిర్వహణ, కోత మరియు కోత అనంతర పనుల వరకు మొత్తం వ్యవసాయ చక్రాన్ని 300 కంటే ఎక్కువ మోడల్లను అందిస్తోంది. గత కొన్ని సంవత్సరాలలో కిసాన్ క్రాఫ్ట్, చిన్న మరియు సరిహద్దు రైతులకు చవకైన యంత్రాలను ప్రోత్సహించడం ద్వారా కార్మికుల కొరత మరియు ఉత్పాదకత సవాళ్లకు పరిష్కారాలను అందించింది. బి ఐ ఎస్: ఐ ఎస్ ఐ దృఢీకరించిన ఉత్పత్తులు మరియు షేరింగ్



ఆవిష్కరణలలో నాణ్యతకు కొత్త ప్రమాణాలను సృష్టించింది. 5,000 డీలర్లు మరియు 14 ప్రాంతీయ కార్యాలయాలలో మిస్టర్లమైన నెట్ వర్క్ ను విస్తరించుకుంది. ఆంధ్రప్రదేశ్ లోని నెల్లూరు వద్ద తయారీ కేంద్రం "మేక్-ఇన్-ఇండియా" దృష్టిని బలపరచింది. అది నమయంలో సస్టెయినబుల్ డై రెక్ట్ సిడెడ్ రైస్ (ఎస్ డి ఎస్ ఆర్) సాంకేతికత, స్టబుల్ షేపర్ మరియు ఎలక్ట్రిక్ పరికరాల వంటి ఆవిష్కరణలపై ప్రత్యేకంగా దృష్టి పెట్టింది. మేము ఒకే లక్ష్యంతో ప్రారంభించాము అత్యున్నతంగా అవసరమైన రైతులకు చవకైన మరియు సమర్థవంతమైన పరికరాలను అందించడం." అని కిసాన్ క్రాఫ్ట్ వ్యవస్థాపకుడు %౫౫ చైర్మన్ శ్రీ రవీంద్ర అగర్వాలే అన్నారు. "భవిష్యత్తులో భారతదేశాన్ని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల గ్లోబల్ హాట్ గా మలచడం, ప్రపంచ స్థాయి పరికరాలను తయారు చేయడం మరియు భారత ప్రపంచంలోని టాప్ 20 పంటలకు ఎంఐ-టు-ఎంఐ మోకానైజేషన్ సాల్యూషన్లను అందించడం మా దృష్టి." కిసాన్ క్రాఫ్ట్ ప్రభావం వ్యవసాయ ఉత్పాదకతకు మించి గ్రామీణ సామాజిక-ఆర్థిక నిర్మాణంపై విస్తరించింది. చిన్న మరియు సరిహద్దు రైతులకు ఆర్థిక పరికరాల యాజమాన్యం, ఆపరిషన్ మరియు వాణిజ్య వినియోగంలోని అవకాశాలను కల్పించడం ద్వారా ఆదాయ సృష్టికి కొత్త మార్గాలను తెరిచింది. కంపెనీ యొక్క మోకానైజేషన్ కార్యక్రమాల గ్రామీణ వ్యాపార శక్తిని ప్రోత్సహించాయి మరియు స్థానిక సేవా నెట్ వర్క్ ను సృష్టించాయి. ఒక సీజన్ లోనే పెట్టుబడి తిరిగి వచ్చే వచ్చైన పరికరాల రైతుల లాభదాయకతను పెంచాయి. అదనంగా, పరికరాల ఆర్థిక వ్యయ (రెంటు) ఎక్స్-నెట్టు (గ్రామీణ ఆదాయం మరియు వసతుల సమర్థ వినియోగాన్ని పెంచింది.

కంపెనీ లక్ష్యం 50 కంటే ఎక్కువ డేశాలకు ఎగుమతులను విస్తరించడం మరియు చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల రంగంలో గ్లోబల్ బ్రాండ్ గా స్థిరపడటం భారతదేశంలోని టాప్ 20 పంటలకు ఉపాధిదారులకు భాగస్వామి గా మారుతుంది. ముఖ్యంగా ఎంఐ టు ఎంఐ మోకానైజేషన్ పరిష్కారాలను అందించడం మరియు విత్తనాల విభాగాన్ని మరింత బలోపేతం చేయడం ప్రధాన ప్రాధాన్యతలలో ఉన్నాయి. సమీప భవిష్యత్తులో కంపెనీ సుదేశీ బ్యాండ్ ఆధారిత వీడియో మరియు విడుదల చేయబోతోంది, ఇది సుస్థిర అనుభవాలను మరింత ప్రోత్సహిస్తుంది. భవిష్యత్తు ప్రాధాన్యతలలో అభివృద్ధి చెందిన గ్రామీణ మార్కెట్లలో పంపిణీ నెట్ వర్క్ ను విస్తరించడం, మోకానైజేషన్, ఆపరిషన్లు మరియు రైతుల కోసం శిక్షణ కార్యక్రమాలను బలోపేతం చేయడం, స్థానిక పంటలు, నేల మరియు వ్యవసాయ పద్ధతులకు అనుగుణంగా ప్రాంతీయ పరికరాలను ప్రవేశపెట్టడం ఉన్నాయి. ఆదేవిధంగా, కంపెనీ డిజిటల్ పరికరాలను ఉపయోగించి రైతుల భాగస్వామ్యాన్ని పెంచుకోంది. దీని ద్వారా మొత్తం ఆధారిత నుబాటు, సేవ పెట్టుబడి లింగ్ మరియు వీడియో అందుబాటు సులభతరం అవుతుంది.

కిసాన్ క్రాఫ్ట్ 20 సంవత్సరాలు: భారత వ్యవసాయ యాంత్రికరణలో మైలురాయి

50 లక్షల రైతులకు ఆధునిక పరికరాలు అందించి ఆవిష్కరణ

2005లో చిన్న రైతులకు వ్యవసాయ యాంత్రికరణను అందించాలనే లక్ష్యంతో స్థాపించబడిన కిసాన్ క్రాఫ్ట్ లిమిటెడ్, ఈ 20 ఏళ్లలో భారతదేశంలోని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల విభాగంలో అగ్రగామిగా ఎదిగింది.



50 లక్షల పైగా రైతుల జీవితాలను మెరుగుపరిచి, 300కు పైగా మోడళ్లతో సాగు ప్రతి దశకు సమగ్ర పరిష్కారాలు అందిస్తోంది. విత్తనాల పరిశోధనలో చేసిన పెట్టుబడులు, సస్టెయినబుల్ సాంకేతికతల ద్వారా రైతులకు మరింత ప్రయోజనాలు కల్పించింది. కిసాన్ క్రాఫ్ట్ గ్రామీణాభివృద్ధిలో కీలక పాత్ర పోషించి, 5,000కు పైగా డీలర్లు, 14 ప్రాంతీయ కార్యాలయాలతో విస్తృతమైన నెట్వర్క్ ఏర్పాటు చేసింది. భవిష్యత్తులో భారతదేశాన్ని చిన్న వ్యవసాయ పరికరాల గ్లోబల్ హబ్ గా మార్చడం, ఎగుమతులను 50 దేశాలకు విస్తరించడం లక్ష్యంగా పెట్టుకున్న ఈ సంస్థ, స్థానిక అవసరాలకు అనుగుణంగా డిజిటల్ సేవలు, శిక్షణ కార్యక్రమాలను కూడా ప్రోత్సహిస్తోంది.